दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, मंगलवार 20 अगस्त 2019 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-01, अंक- 320

कड़ी सुरक्षा के बीच कश्मीर घाटी में फिर खोले गए 190 से ज्यादा प्राइमरी स्कूल

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद राज्य में लगाई गई पाबंदियां अब धीरे-धीरे खत्म की जा रही हैं. मोबाइल इंटरनेट, स्कूल और अन्य पाबंदियों पर अब छूट दी जा रही है. करीब 14 दिन बाद आज से वहां स्कूल-कॉलेज भी खुलने शुरू हो गए हैं. राजौरी में आज स्कूल खुलने पर बड़ी संख्या में बच्चे वहां पहुंचे. इसके साथ श्रीनगर के 190 प्राइमरी स्कूलों को खोला जाएगा. हालांकि सीनियर क्लासेज के स्कूलों को अभी खोलने का आदेश नहीं दिया गया है. वहीं, किसी भी अव्यवस्था से निपटने के लिए सुरक्षाबल 24 घंटे मोर्चे पर तैनात कर दिए गए हैं.

जम्मू कश्मीर के प्रधान सचिव रोहित कंसल ने रविवार को कहा कि अभी केवल श्रीनगर के 190 प्राइमरी स्कूलों को ही दोबारा खोला जा रहा है. श्रीनगर के जिन क्षेत्रों में स्कूल खोले जाएंगे उनमें लासजान, सांगरी, पंथचौक, राजबाग, जवाहर नगर, नौगाम, गगरीबाल, धारा, थीड, बाटमालू और शाल्टेंग शामिल हैं. कंसल ने कहा कि आर्टिकल 370 हटाए जाने मद्देनजर जितने भी दिन स्कूल बंद रहे है, उनके बदले इस महीने बाद में पूरक कक्षाएं लगाई जाएंगी. राज्य में हालात सामान्य होते ही अन्य जिलों के स्कूलों को भी खोल दिया जाएगा.

रोहित कंसल ने बताया कि श्रीनगर के उपायुक्त शाहिद इकबाल चौधरी ने शनिवार को शिक्षा विभाग के अधिकारियों और स्कूलों के प्रमुखों के साथ बैठक की थी. इस बैठक में जिले के स्कूलों को खोलने पर चर्चा की गई. स्कूलों की सुरक्षा जिला प्रशासन की मुख्य चिंता है और सुरक्षा पुख्ता करने के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं.

कंसल ने बताया कि कश्मीर घाटी में पांबदियों में ढील दी जा रही है. स्थानीय अधिकारी हालातों का जायजा ले रहे हैं. वहीं, इस संबंध में श्रीनगर के डीसी ने कहा कि अब काफी हद तक स्थिति कंट्रोल में है. प्रशासन लगातार इस कोशिश में जुटा हुआ है कि जम्मू कश्मीर में लोगों की जिंदगी जल्द से जल्द पटरी पर लौट आए.

सुप्रीम कोर्ट ने सड़क हादसे की जांच के लिए सीबीआई को दिए और 2 हफ्ते

» उन्नाव रेप केस

नईदिल्ली (आरएनएस)। उन्नाव रेप पीड़िता के रोड एक्सीडेंट मामले की जांच पूरी करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को दो और हफ्ते का वक्त दिया है। दरअसल सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में इस केस की स्टेटस रिपोर्ट सौंपते हुए जांच के लिए अतिरिक्त समय की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही योगी सरकार को इस हादसे में घायल पीड़िता के वकील को मेडिकल खर्चे के रूप में 5 लाख रुपए की अंतरिम सहायता देने का निर्देश भी दिया। इससे पहले सीबीआई ने शनिवार को अदालत के समक्ष कहा कि उन्हें इस मामले की जांच पूरी करने के लिए सप्ताह का समय चाहिए। यह मामला उन्नाव बलात्कार मामले से संबंधित दर्ज चार मामलों में से एक है।तीस हजारी स्थित जिला जज धर्मेश शर्मा की अदालत के समक्ष सीबीआई ने यह दलील पेश की थी। जिस मामले में सीबीआई ने जांच पूरी करने के लिए समय मांगा है उसमें शुभम सिंह, नरेश तिवारी एवं ब्रजेश सिंह यादव आरोपी हैं। वहीं, आरोपी शुभम सिंह की तरफ से अदालत में कहा कि इस मामले से संबंधित तीन मामलों में आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है।

महत्वपूर्ण एवं खास

नशे में ड्राइवर ने फुटपाथ पर दौड़ाई कार, कई लोगों को रौंदा

बेंगलुरु (आरएनएस)। बेंगलुरु में शराब के नशे में एक शख्स ने फुटपाथ पर कार चढ़ा दी. इस दौरान फुटपाथ पर चल रहे 7 लोग उसकी चपेट में आ गए. घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तुरंत निकट के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है. पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है. मामला बेंगलुरु के एचएसआर लेआउट इलाके का है. जानकारी के अनुसार बेंगलुरु के एचएसआर लेआउट इलाके में रविवार देर शाम जब लोग इलाके के एक बाजार में घूम रहे थे, उसी समय एक तेज रफ्तार कार वहां से गुजरी. बताया जाता है कि कार के ड्राइवर ने शराब पी रखी थी और काफी तेज गाड़ी चला रहा था. नशे में ड्राइवर ने फुटपाथ पर गाड़ी दौड़ा दी, जिसकी चपेट में फुटपाथ पर घूम रहे काफी लोग आ गए. वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कार ने फुटपाथ पर टहल रहे सात लोगों को तेजी से टक्कर मारी. इस हादसे में कई लोगों को गंभीर चोट लगी है. घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया है. पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है. घायलों में दो की हालत गंभीर बनी हुई है.

तेल टैंकर में लगी आग, 20 लोगों की मौत, कई घायल

कंपाला। युगांडा के पश्चिमी क्षेत्र में एक तेल टैंकर में आग लगने के कारण कम से कम 20 लोगों की मौत हो गयी तथा कई अन्य लोग घायल हुए हैं। स्थानीय मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार केन्या से कांगो जा रहे तेल टैंकर में युगांडा के पश्चिमी रुबुरिजी जिले में आग लगी। बताया जा रहा है कि तेल टैंकर के चालक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण वह एक वाहन से टकरा गया और उसमें आग लग गयी। तुर्की की अनाडोलू न्यूज एजेंसी ने एक पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा, इस घटना में कई दुकानें, स्टॉल्स, एक बाजार और दो वाहन जल गये हैं। बीस लोगों की मौत की पुष्टि हो गयी है, जबकि कई लोग अभी भी मलबे में दबे हुए हैं।

कश्मीर भारत और पाकिस्तान का द्विपक्षीय मुद्दा: अफगानिस्तान

काबुल। अफगानिस्तान ने कश्मीर मामले पर एक बार फिर पाकिस्तान की खिंचायी करते हुए,इसे भारत और पाकिस्तान का द्विपक्षीय मुद्दा करार दिया है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत असद माजीद खान के कश्मीर मुद्दे के कारण अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया प्रभावित होने संबंधी बात कहे जाने के एक दिन बाद सोमवार को अफगानिस्तान सरकार ने उनके (खान) के बयान को दुस्साहसी , बेबुनियाद और गैर जिम्मेदार करार दिया। अफगानिस्तान सरकार ने अपने बयान में कहा है कि कश्मीर मसला भारत और पाकिस्तान का द्विपक्षीय मुद्दा है। हमारा मानना है कि पाकिस्तान का उद्देश्य जानबूझकर अफगानिस्तान को कश्मीर मुद्दे से जोड़ना और अफगानिस्तान की सरजमीं पर हो रही हिंसा को लंबा खींचने का प्रयास है। बयान में कहा गया, अफगानिस्तान की स्थिरता को पाकिस्तान आधारित, उसके द्वारा पोषित और सहायता प्राप्त आतंकवादियों तथा आतंकवादी समूहों से लगातार खतरा रहा है।

अफगानिस्तान ने 100वां स्वतंत्रता दिवस समारोह स्थगित किया

काबुल। अफगानिस्तान सरकार ने देश की 100वीं स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में होने वाले समारोह को स्थगित कर दिया है, जो ऐतिहासिक दर-उल-अमन पैलेस में सोमवार के लिए निर्धारित था। खामा प्रेस के मुताबिक, राष्ट्रपति के प्रवक्ता सेदिक सेदिकी ने कहा कि सचिवालय ने राष्ट्रपति मोहम्मद अशरफ गनी के निर्देश पर अफगानिस्तान के 100वें स्वतंत्रता समारोह के आयोजन को टाल दिया है। राष्ट्रपति ने काबुल में हुए विस्फोट में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति सम्मान व संवेदना व्यक्त करने के लिए यह फैसला लिया है।

बिहार के पूर्व सीएम जगन्नाथ मिश्रा का लंबी बीमारी के बाद निधन

नईदिल्ली (आरएनएस)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. जगन्नाथ मिश्रा का आज नई दिल्ली में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह करीब 82 वर्ष के थे। डॉ. मिश्रा पिछले काफी दिनों से बीमार थे और उनका इलाज दिल्ली में चल रहा था आज उन्होंने अंतिम सांस ली उनके परिवार में दो पुत्र है। उनके छोटे पुत्र नीतीश मिश्रा बिहार में मंत्री रह चुके हैं और फिलहाल वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उपाध्यक्ष हैं।

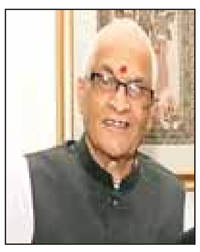

डॉक्टर जगन्नाथ मिश्र भारतीय राजनेता और बिहार के तीन पार मुख्यमंत्री रह चुके थे।मिश्रा ने एक प्राध्यापक के रूप में अपना करियर शुरू किया था और बाद में बिहार विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर बने थे।

पूर्व में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में एक उच्च स्तर पर शामिल होने के बाद, उन्हें तीन बार बिहार के मुख्यमंत्री चुना गया था। कांग्रेस छोड़ने के बाद वो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए और बाद में जनता दल में शामिल हो गए थे। 30 सितंबर 2013 को रांची के एक विशेष केंद्रीय जांच ब्यूरो ने उन्हें चारा घोटाले में 44 अन्य लोगों के साथ सजा सुनाई थी। उस वक्त उन्हें चार साल की कारावास और 200,000 रुपये का जुर्माना दिया गया।

कश्मीर को लेकर फर्जी दावे कर घिरीं शहला राशिद, गिरफ्तारी की मांग

» सुप्रीम कोर्ट में शिकायत

नईदिल्ली (आरएनएस)। जेएनयू की पूर्व छात्र नेता और जेएनयूएसयू की पूर्व उपाध्यक्ष शेहला रशीद जम्मू-कश्मीर के हालात को लेकर सोशल मीडिया पर डाले अपने पोस्ट को लेकर मुश्किल में घिरती दिख रही हैं. शेहला रशीद के दावों को भारतीय सेना ने खारिज करते हुए उन्हें बेबुनियाद बताया है. भारतीय सेना के बयान के बाद अब सुप्रीम कोर्ट के वकील अलख आलोक श्रीवास्तव ने रशीद पर फर्जी खबरें पोस्ट करने का

आरोप लगाते हुए आपराधिक मामला दर्ज करने के साथ गिरफ्तारी की मांग की है.

जेएनयूएसयू की पूर्व उपाध्यक्ष शेहला रशीद ने रविवार को कश्मीर के हालत को लेकर सिलसिलेवार ढंग से 10 ट्वीट किए थे. अपने पोस्ट में उन्होंने दावा किया था कि घाटी के मौजूदा हालात बहुत खराब हो गए हैं. शेहला रशीद ने लिखा था कि जम्मू कश्मीर के लोगों ने उन्हें बताया कि पुलिस के पास कानून-व्यवस्था का कोई अधिकारी मौजूद नहीं है.

इस समय कश्मीर में सबकुछ पैरामिलिट्री फोर्स के हाथों में है. रशीद ने लिखा कि एक एसएचओ का ट्रांसफर केवल इसलिए कर दिया गया क्योंकि उसकी एक सीआरपीएफ के जवान ने शिकायत कर दी थी. इतना ही नहीं शेहला ने अपने ट्वीट पर आरोप लगाया कि सुरक्षाबल रात में घर में घुसते हैं और लड़कों को उठाकर ले जाते हैं. शेहला रशीद ने एक और ट्वीट करते हुए लिखा कि शोपिया के आर्मी कैंप में चार लोगों को ले जाकर पूछताछ के नाम पर टॉर्चर किया गया. शेहला के सभी दावों को खारिज करते हुए भारतीय सेना ने इन बातों को बेबुनियाद बताया है. सेना ने कहा है कि ऐसी असत्यापित और फर्जी खबरें असामाजिक तत्वों और संगठनों द्वारा कश्मीर की आवाम द्वारा लोगों को भड़काने के लिए फैलाई जा रही है.

यमुना खतरे के निशान से ऊपर, केजरीवाल ने बुलाई आपात बैठक

» दिल्ली में बाढ़ के आसार

नई दिल्ली (आरएनएस)। हथनी कुंड बैराज से 8.50 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद सोमवार सुबह यमुना खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गई. इसको देखते हुए दिल्ली सरकार ने यमुना के जलभराव क्षेत्र को खाली करने के आदेश दे दिए हैं. बताया जा रहा है कि यह पहला मामला है जब हथनीकुंड बैराज से इतनी मात्रा में एक साथ पानी छोड़ा गया हो. मामले पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आपात बैठक बुला ली है. बैठक में आने वाली स्थिति से निपटने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे. बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन को हाईअलर्ट पर रखा गया है. वहीं दिल्ली पुलिस और नागरिक रक्षा स्वयंसेवकों की मदद से सोमवार सुबह नौ बजे तक निचले इलाके में रहने वाले लोगों को बाहर निकालने का निर्देश दिया गया है. वहीं दिल्ली सरकार ने शहर में बाढ़ की चेतावनी भी जारी की है. यमुना नदी का जलस्तर

दिल्ली में सोमवार सुबह 205.33 मीटर दर्ज किया गया. जबकि खतरे का निशान 204.50 मीटर पर है. हथनी कुंड बैराज से 8 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद यह जलस्तर तेजी से बढ़ा है और बताया जा रहा है कि अभी यह और बढ़ सकता है, जिसके चलते निचले इलाकों में जलभराव की समस्या हो सकती है.

जानकारी के अनुसार हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से रविवार शाम को करीब 8.50 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है. अब तक के इतिहास पर नजर डाली जाए तो यह पानी की सबसे ज्यादा मात्रा है जा एक साथ छोड़ी गई है. आधिकारिक सूत्रों के अनुसार यमुना का जलस्तर सोमवार शाम तक ही 207 मीटर तक पहुंच सकता है.

तरुण तेजपाल पर चलेगा यौन शोषण का केस

» सुप्रीम कोर्ट का आदेश- 6 महीने में हो सुनवाई पूरी

नईदिल्ली (आरएनएस)। तहलका मैगजीन के संस्थापक संपादक तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट से करारा झटका लगा है. तेजपाल ने अपने ऊपर यौन उत्पीड़न केस को कोर्ट से खत्म करने की मांग की थी. लेकिन कोर्ट ने उनकी मांग को खारिज कर दिया. न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा के नेतृत्व वाली एक पीठ ने गोवा की निचली अदालत को तेजपाल के खिलाफ दर्ज मामले में सुनवाई प्राथमिकता के आधार पर छह महीने के भीतर पूरी करने का आदेश भी दिया है.

तरुण तेजपाल की अर्जी को खारिज करते हुए जस्टिस अरुण मिश्रा, एमआर शाह, बीआर गवाई ने कहा कि ये बेहद ही घिनौना अपराध है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केस की सुनवाई गोवा में होगी जहां की ये घटना है.

कोर्ट में सुनवाई के दौरान गोवा पुलिस ने दलील दी कि उनके पास तेजपाल के खिलाफ ढेर सारे सबूत हैं. पुलिस ने कहा कि उनके पास व्हाट्स एप मैसेज और ई-मेल हैं जिससे साबित होता है कि तेजपाल ने अपराध किया है.

तेजपाल की एक जूनियर सहयोगी ने उन पर 2013 में एक कार्यक्रम के दौरान गोवा के एक पांच सितारा होटल में एक लिफ्ट के अंदर उनका यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था. बता दें कि साल सितंबर में सेशन कोर्ट ने तेजपाल के खिलाफ बलात्कार और गलत तरीके से बंधक बनाने के आरोप तय किए थे. तेजपाल को आईपीसी की धारा 341, 342, 350, 376 और 354 ए और बी के तहत आरोपित किया गया था.

पिता की हत्याकर शव के छोटे-छोटे टुकड़े 6-7 बाल्टी में रखा था बेटा

हैदराबाद (आरएनएस)। रोज-रोज की मारपीट से परेशान बेटे ने अपने पिता की पहले चाकुओं से गोदकर हत्या की उसके बाद शव के छोटे-छोटे टुकड़े कर 6-7 बाल्टी में भर दिए. आरोपी बेटा शव के टुकड़ों को ठिकाने लगाने के फिराक में था लेकिन उसे मौका ही नहीं लगा. कुछ ही दिन में जब घर से बदबू आने लगी तो पड़ोसियों की इसकी शिकायत पुलिस से कर दी. पुलिस ने जब घर की तलाशी ली तो उन्हें बाल्टियों में शव के छोटे-छोटे टुकड़े मिले. इस पूरे मामले की खास बात ये रही कि बेटे के अपराध में उसकी मां और बहन ने भी उनका साथ दिया. मामला हैदराबाद के मलकाजगिरी इलाके की कृष्णानहर कॉलोनी का है.

रेलवे से रिटायर्ड 80 साल के कृष्ण सुधीर मूर्ति अपने परिवार के साथ कृष्णानहरा कॉलोनी में रहा करता था. सुधीर मूर्ति हर रोज शराब के नशे में अपने बेटे मुरली और बेटी प्रफ्फुल को मारा करता था. इस दौरान जब उसकी पत्नी गया उसे रोकती तो सुधीर पत्नी को भी पीटता था. रोज-रोज की पिटाई से तंग आकर बेटे ने अपनी पत्नी और बहन के साथ मिलकर पिता को मारने का प्लान बनाया.

रविवार देर शाम जब सुधीर मूर्ति शराब के नशे में घर लौटा तो बेटे मूरली ने उसकी चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी. इसके बाद मुरली ने अपनी बहन और मां के साथ सुधीर मूर्ति के शव के छोटे-छोटे टुकड़े किए और 6-7 बाल्टी में भर दिया. मुरली ने सोचा था कि जब उसे सही समय मिलेगा तो वह शवों के टुकड़े को कहीं फेंक आएगा. इस मामले का खुलासा तब हुआ जब घर से बदबू बाहर फैलने लगी. पड़ोसियों की शिकायत पर पुलिस ने जब सुधीर मूर्ति के घर की तलाशी ली तो हर कोई हैरान रह गया. पुलिस ने आरोपी मुरली, मृतक की पत्नी गया और बेटी प्रफ्फुल को गिरफ्तार कर लिया है.

अब अफगानिस्तान ने भी पाक को लताड़ा

» गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी बंद करने को कहा

काबुल। जम्मू-कश्मीर के मामले पर पाकिस्तान पूरी दुनिया में अलग-थलग पड़ गया है। अब पाकिस्तान को गैर जिम्मेदाराना बयानबाज़ी के लिए अफगानिस्तान ने भी लताड़ लगाई है। पिछले दिनों पाकिस्तान ने कहा था कि कश्मीर के मौजूदा हालात से अफगानिस्तान में चल रही शांति प्रयासों पर असर पड़ेगा। अब इसके जवाब में अमेरिका में अफगानिस्तान की राजदूत ने कहा है कि कश्मीर के हालात को अफगानिस्तान में शांति समझौते के लिए जारी

प्रयासों से जोड़ना, दुस्साहसी, अनुचित और गैर-जिम्मेदाराना है।

अमेरिका में अफगानिस्तान की राजदूत रोया रहमानी ने कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ अफगानिस्तान अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत असद मजीद खान के उस दावे को पूरी तरह खारिज करता है कि कश्मीर में जारी तनाव अफगानिस्तान की शांति प्रक्रिया को काफी प्रभावित कर सकता है। उन्होंने अपने बयान में कहा, ऐसा कोई बयान जो कश्मीर के हालात को अफगान शांति प्रयासों से जोड़ता है वो दुस्साहसी, अनुचित और गैर-जिम्मेदाराना है।

कश्मीर को भारत और पाकिस्तान का द्विपक्षीय मामला बताते हुए रहमानी ने कहा कि उनके देश का मानना है कि कश्मीर मुद्दे से अफगानिस्तान को जानबूझकर जोड़ने का पाकिस्तान का मकसद अफगान की धरती पर जारी हिंसा को और बढ़ाना है। रहमानी ने कहा कि उनके पाकिस्तानी समकक्ष का बयान उन सकारात्मक और रचनात्मक मुलाकात के ठीक विपरीत है जो अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी की हालिया यात्रा के दौरान उनके, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान तथा पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के बीच हुई थी।

बता दें कि पिछले दिनों कश्मीर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की हुई बंद कमरे में बैठक बेनतीजा और बगैर किसी बयान के खत्म हो गया। इसके बाद इस विषय का अंतराष्ट्रीयकरण करने में जुटे पाकिस्तान और उसके सहयोगी देश चीन को एक बड़ा झटका लगा। वैश्विक संस्था की 15 देशों की सदस्यता वाली परिषद के ज्यादातर देशों ने इस बात पर जोर दिया कि यह भारत और पाक के बीच एक द्विपक्षीय मामला है।